ॐ

दैनिक भास्कर

2 सितम्बर 2009 . 20-21

किसी ने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा दूसरों का जीवन संवारने के लिए समर्पित किया है तो कोई अनाथ और जरूरतमंदों का 'सरदार' है।

समाज को जीवन समर्पित करने वालों में नौजवानों का भी शामिल होना सुखद खबर है। अपने करियर और सुख-सुविधाओं को त्यागकर युवा त्याग और समर्पण की नई कहानी कह रहे हैं।

के नाम

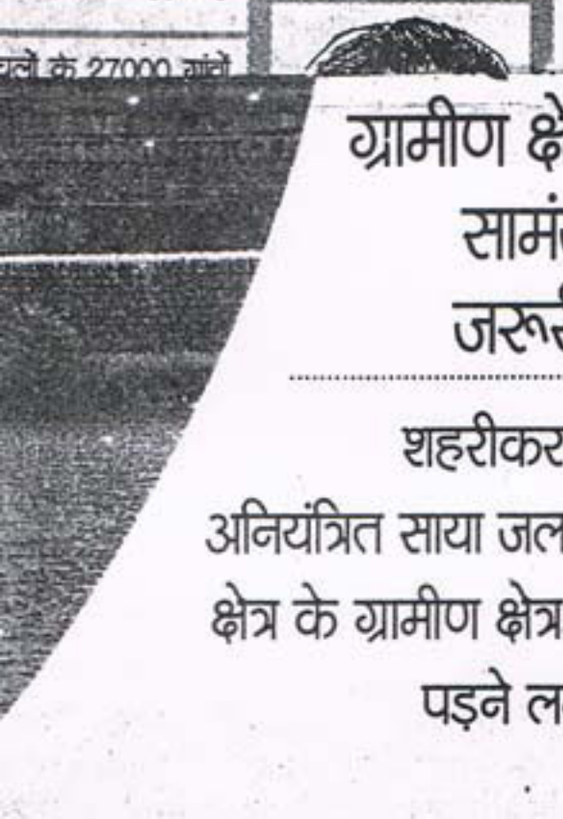

शुद्ध जल का संकल्प

सदस्य हमेशा तैयार रहते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में सामंजस्य जरूरी है।

शहरीकरण का अनियंत्रित साया जलग्रहण क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र में भी पड़ने लगा है।

मजदूरों का सहारा

एसवी पॉलीटेक्निक में सहायक प्राध्यापक। गरीबों की मदद करने वाली एक संस्था के संस्थापक। हर रविवार को भोजन बना कर ले जाते है, और बड़े निर्माणस्थालों पर जाकर गरीब मजदूरों के बच्चों को भोजन करवाते हैं। इस काम में पूरा परिवार मदद करता है। पत्नी, बच्चे मिलकर भोजन बनाते और बांटते हैं। गरीबों को निः शुल्क स्वास्थ्य सुविधा दिलवाने के लिए हर रविवार अपनी गाड़ी में चिकित्सकों को ले जाकर झुग्गी बस्ती में स्वास्थ्य शिविर लगवाते हैं।

मुकेश लालजी
गरीबों के मददगार